अंग्रेजी विभाग

ऑनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला (उद्घाटन समारोह)

07 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा ''लिटरेरी क्रिटिसिजम'' विषय पर ऑनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कौशिक कला, मथुरा के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा मालवीय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के सभी विद्यार्थियों ने ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग की छात्र सुश्री प्रिया जायसवाल द्वारा किया गया।

कार्यशाला को सम्बोधित करतीं
डॉ. शिखा मालवीय

उद्बोधन देते डॉ. मोहम्मद फैज

कार्यशाला का दूसरा दिन

08 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन ''मनोविश्लेषणात्मक साहित्यिक आलोचना'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन के मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज नें ऑनलाइन माध्यम द्वारा विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन

महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

विभाग के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े। कार्यक्रम के अन्त में विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग की छात्र सुश्री प्रिया जायसवाल द्वारा किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी गण

कार्यशाला का तीसरा दिन

09 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन ''नारीवादी साहित्यिक आलोचना'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के तीसरे दिन के मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज ने नारीवादी साहित्य की विशेषताओं सहित उसके आलोचनात्मक पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यशाला के तीसरे दिन विभाग के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े। कार्यशाला के अन्त में विभाग प्रभारी कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र देवल चित्रांश ने किया।

न्यू क्रिटिसिज्म पर विचार व्यक्त करतीं डॉ. शिखा मालवीय

कार्यशाला का चौथा दिन

10 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन ''न्यू क्रिटिसिज्म'' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कौशी कला, मथुरा के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा मालवीय ने अंग्रेजी पाठालोचन के विविध आयामों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। कार्यशाला के अन्त में विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश द्वारा किया गया।

कार्यशाला का पाँचवा दिन

11 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत पाँचवे दिन ''प्रेक्टिकल क्रिटिसिजम'' विषय पर व्याख्यान आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री बृजबिहारी डिग्री कॉलेज, कौशी कला, मथुरा की अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिखा मालवीय नें उपरोक्त विषय से सम्बन्धित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. शिखा मालवीय

महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय कार्यशालाएं

कार्यशाला का छठवॉ दिन

कार्यशाला में उपस्थित विभागीय विद्यार्थी

12 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के छठे दिन ''जीवनी साहित्यिक आलोचना'' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के छठे दिन विभाग के सभी छात्र-छात्रा ऑनलाइन जुड़े। कार्यशाला के अन्त में विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने मुख्य वक्ता का आभार ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश ने किया।

आनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह

समापन अवसर पर सभी का आभार ज्ञापित करतीं श्रीमती कविता मंध्यान

13 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर ''शिकागो स्कूल ऑफ क्रिटिसिजम'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपाध्याय महाविद्यालय, पीलीभीत के अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर पाठालोचन के विभिन्न आयोमों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े रहे। समापन अवसर पर कार्यशाला की संयोजक श्रीमती कविता मंध्यान ने सातों दिनों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सभी विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।